Helpline No.:-(+91)-7597122440

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

मदाऊ, भांकरोटा–मुहाना लिंक रोड़, जयपुर (राज॰) - 302026

वेबसाईट : www.jrrsanskrituniversity.ac.in ■ ई–मेल - jrrsu@yahoo.com ■ टेलीफैक्स: 0141-2850551–75

क्रमांक : प. ( ) जरारासंविवि / शैक्ष./20/1805 दिनांक : 14/8/2020

बैठक कार्यवाही विवरण

आज दिनांक 07.08.2020 को प्रातः 11:30 बजे विद्यापरिषद् की 27वीं बैठक विश्वविद्यालय परिसर में मा. कुलपति महादेयाय की अध्यक्षता में Online आयोजित की गई जिसमें व्यक्तिशः एवं Online निम्नानुसार उपस्थित रहीः–

1. श्री सुरेन्द्र सिंह यादव, कुलसचिव
2. श्री नरेन्द्र चतुर्वेदी, परीक्षा नियंत्रक (विशेष आमंत्रित)
3. डॉ. सुभाष चन्द्र शर्मा, संकायाध्यक्ष, साहित्य/दर्शन/श्रमण संकाय
4. डॉ. माताप्रसाद शर्मा, संकायाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र संकाय
5. डॉ. विनोद कुमार शर्मा, विभागाध्यक्ष ज्योतिष विभाग
6. डॉ. के. साम्ब शिवमूर्ति, संयोजक, शिक्षा संकाय
7. श्री उमेश नेपाल, संयोजक, पुराणेतिहास एवं राजनीति विज्ञान
8. डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा, संयोजक, ज्योतिष संकाय
9. डॉ. रामेश्वर नाथ द्विवेदी, संयोजक, दर्शन संकाय
10. डॉ. राजधर मिश्र, सह आचार्य (विशेष आमंत्रित)
11. डॉ. शिवाकान्त मिश्र, सहायक आचार्य (विशेष आमंत्रित)

Online उपस्थित सदस्य

12. प्रो. गणेशदत्त शर्मा, शिक्षाविद्
13. प्रो. गोपीनाथ शर्मा, शिक्षाविद्
14. डॉ. विशम्बर दयाल जोशी, शिक्षाविद्
15. प्रो. भास्कर शर्मा, संकायाध्यक्ष, वेद–वेदांग संकाय
16. प्रो. दीरघराम रामस्नेही, संकायाध्यक्ष, आधुनिक ज्ञान–विज्ञान संकाय
17. प्रो. उमेश प्रसाद दाश, संयोजक–वेद संकाय
18. डॉ. बजरंग लाल शर्मा, संयोजक–व्याकरण संकाय
19. डॉ. इन्दिरा खत्री, संयोजक– हिन्दी
20. श्री महेश कल्याण, प्राचार्य, राजकीय शा. संस्कृत महा., नीम का थाना

सर्वप्रथम बैठक का प्रारम्भ श्री उमेश नेपाल द्वारा मंगलाचरण से किया गया। तत्पश्चात् विद्यापरिषद् संयोजक डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा एवं श्री उमेश नेपाल, सहायक आचार्य द्वारा विश्वविद्यालय के नये कुलसचिव श्री सुरेन्द्र सिंह यादव, आर.ए.एस. का सदन में स्वागत किया गया। इसके बाद विद्यापरिषद् के एजेण्डों पर विस्तृत चर्चा की गईः–

1. **शास्त्री प्रथम वर्ष/आचार्य प्रथम वर्ष (CBCS प्रणली द्वारा) पाठ्यक्रम 2020–21 (सभी संकायों के) :– विश्वविद्यालय ने संकायों के माध्यम से की बैठक 05.08.2020 तक का कार्यवाही विवरण क्रमशः संकायवार डॉ. उमेश नेपाल द्वारा प्रस्तुत किया गया। शेष पाठ्यक्रम पूर्ववत रखे जाने हेतु सहमति ली गई। बैठक में उक्त क्रम में निम्नानुसार विस्तृत विचार प्रकट किये गयेः–**

(i) **डॉ. सुभाष चन्द्र शर्मा, संकायाध्यक्ष, साहित्य संकाय** – CBCS पाठ्यक्रम सत्र 2020–21 से लागू किया जाना नितान्त आवश्यक है। पाठ्यक्रम विद्यार्थी एवं संस्थाओं के लिए अत्यन्त उपयोगी है। हमें चुनौती स्वीकार करते हुए CBCS पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में एकमत से लागू करना चाहिए।

(ii) **डॉ. माताप्रसाद शर्मा, संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय** – CBCS पाठ्यक्रम स्वागत योग्य है। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास हेतु हमें इसे सत्र 2020–21 से लागू करना चाहिए।

(iii) **प्रो. भास्कर शर्मा, संकायाध्यक्ष, वेद–वेदांग संकाय** – पाठ्यक्रम में विषमता मौजूद है। महाविद्यालयों में व्याख्याताओं की कमी हैं, इस वर्ष विश्वविद्यालय में लागू किया जाकर राज्य सरकार की अनुमति उपरान्त महाविद्यालयों में लागू किया जाना उचित रहेगा। संस्कृत वाङ्मय का पाठ्यांश हटने की संभावना रहेगी, अतः विस्तृत चिन्तन करने के उपरान्त ही लागू किया जाना प्रस्तावित है।

(iv) **श्री उमेश नेपाल, संयोजक, पुराणेतिहास एवं राजनीति विज्ञान** – मैं सभी को यह निवेदन करना चाहूंगा कि CBCS पाठ्यक्रम UGC एवं अन्य विश्वविद्यालयों पर विस्तृत अध्ययन करते हुए तैयार किया गया है, संस्कृत वाङ्मय का पाठ्यांश नहीं हटेगा। विद्यार्थी संस्कृत वाङ्मय दो वर्ष पढ़ सकेंगे। अतः CBCS पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में लागू करना चाहिए।

(v) **डॉ. उमेश प्रसाद दाश** – महाविद्यालयों में संकाय की अत्यन्त कमी है, हमें पहले महाविद्यालयों में रिक्त पदों को भरने एवं अन्य संसाधन उपलब्ध कराने के उपरान्त ही CBCS पाठ्यक्रम को लागू करने पर विचार करना चाहिए। CBCS पाठ्यक्रम वर्तमान में लागू करना संभव नहीं है।

(vi) **प्रो. गोपीनाथ शर्मा** – CBCS पाठ्यक्रम बहुउपयोगी है, इस पाठ्यक्रम को शीघ्रताशीघ्र लागू करना चाहिए। कतिपय कारणों से महाविद्यालयों की वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत इस वर्ष विश्वविद्यालय में लागू किया जाकर अगले वर्ष महाविद्यालयों में लागू किया जाना चाहिए।

(vii) **प्रो. दीरघराम रामस्नेही** – पाठ्यक्रम की जटिलता को देखते हुए CBCS पाठ्यक्रम इस वर्ष महाविद्यालयों में लागू किया जाना संभव नहीं है। विश्वविद्यालय स्तर से इसे वर्ष प्रारम्भ किया जा सकता है।

(viii) **डॉ. महेश कल्याण** – महाविद्यालयों में CBCS पाठ्यक्रम राज्य सरकार की अनुमति उपरान्त लागू किया जावेगा। पाठ्यक्रम को इस वर्ष लागू करने हेतु सहमत नहीं हूं।

(ix) **प्रो. गणेशदत्त शर्मा** – CBCS पाठ्यक्रम UGC एवं राजभवन के निर्देशों की पालना में लागू किया जाना श्रेयस्कर रहेगा। इससे विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों सभी का उत्थान होगा एवं अकादमिक स्तर बढ़ेगा।

(x) **श्री बजरंग लाल शर्मा** – संसाधनों के अभाव में इस वर्ष CBCS पाठ्यक्रम इस वर्ष चालू नहीं किया जा सकता।

(xi) **डॉ. बिशम्बर दयाल जोशी** – CBCS पाठ्यक्रम को हमें लागू करना चाहिए। इससे विद्यार्थियों का अकादमिक स्तर बढ़ेगा। सभी जगह लागू करना संभव नहीं हो तो इस वर्ष विश्वविद्यालय में लागू किया जावें।

(xii) **डॉ. विनोद कुमार शर्मा** – CBCS पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यक है, इसे इसी वर्ष समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में तत्काल लागू करना चाहिए।

(xiii) **डॉ. राजधर मिश्र** – सभी के विचार अति उत्तम है। महाविद्यालयों की समस्याएं जिसमें व्याख्याता, प्रकरण पर अन्य सदस्यों द्वारा भी विस्तृत विचार विमर्श किया गया है जिसमें समस्याओं का समाधान किया जाना आवश्यक है। CBCS पाठ्यक्रम वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अधिक महत्ता रखता है, अतः इसे लागू करने को चुनौती स्वीकार करते हुए लागू करना चाहिए।

(xiv) **डॉ. अनुला मौर्य, कुलपति** – विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में CBCS पाठ्यक्रम प्रथम वर्ष हेतु इसी वर्ष लागू हो, यह ही शैक्षणिक उन्नयन हेतु आवश्यक है। विभिन्न महाविद्यालयों की समस्याएं हमें ज्ञात हुई है, निश्चित रुप से विचार कर उसका रास्ता निकालेगें जब समस्या को चुनौती के रुप में स्वीकार करते है तो लगन एवं निष्ठापूर्वक कार्य से सफलता प्राप्त करते है। हम सबको छात्र हित के लिए विचार करना चाहिए। UGC एवं मा. कुलाधिपति महोदय के निर्देशानुसार CBCS लागू होना चाहिए। राज्य में संस्कृत विश्वविद्यालय में सर्वप्रथम CBCS लागू होने पर हमें गौरवान्वित महसूस करना चाहिए। वार्षिक परीक्षाओं से सेमेस्टर परीक्षाओं की ओर विश्वविद्यालय बढ़ा किन्तु महाविद्यालयों में आज तक सेमेस्टर पद्धति लागू नहीं हो पाई है। समस्त महाविद्यालयों को निर्देश प्रदान किये कि भविष्य में विश्वविद्यालय द्वारा जारी समस्त निर्देशों की पालना सुनिश्चित करनी होगी। विश्वविद्यालय के आदेशों की अवहेलना पर सम्बद्धता पर विश्वविद्यालय पुनर्विचार करेगा। आप सभी की सहमति से इन विद्यार्थियों के विकास हेतु इस वर्ष CBCS विश्वविद्यालय

परिसर में लागू किया जाकर अगले सत्र से महाविद्यालयों में आवश्यक रुप से लागू किया जावेगा। इस हेतु महाविद्यलय में CBCS पाठ्यक्रम लागू करने के लिए जो समस्याएं सामने आई है उनके संबंध में एक कमेटी कुलपति स्तर से गठित की जावेगी जो कि CBCS पाठ्यक्रम को लागू करने के संबंध में अभिशंषाएं प्रदान करेगी। विश्वविद्यालय द्वारा CBCS पाठ्यक्रमों के बारे में संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित भी किया जायेगा। हम सभी को मिलकर विश्वविद्यालय का नाम ऊंचा करना हैं एवं शैक्षणिक, सह शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास हेतु प्रयत्नशील रहना है।

उक्तानुसार शास्त्री प्रथम वर्ष एवं आचार्य प्रथम वर्ष CBCS प्रणाली पाठ्यक्रमों का विश्वविद्यालय में संचालन 2020–21 से एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालन सत्र 2021–22 से किये जाने के प्रस्ताव का सदन में सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

2. **विभिन्न अध्ययन–केन्द्रों द्वारा प्रस्तुत विविध पाठ्यक्रम –**
   (i) महात्मा गांधी अध्ययन केन्द्र (Post Graduate Diploma in Gandian Studies)
   (ii) डॉ. अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र (Post Graduate Diploma in Ambedkar Studies)
   (iii) महिला अध्ययन केन्द्र (Post Graduate Diploma in Womes's Studies)
   (iv) राजस्थान मंत्र प्रतिष्ठान (Diploma in Mantra Methodology & Theraph)

   उक्त प्रस्ताव डॉ. कुलदीप सिंह, सहायक आचार्य द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

3. **कौशल विकास के लिये जर्मन तथा फ्रेन्च भाषा के प्रमाण पत्र व डिप्लोमा पाठ्यक्रम तथा पत्रकारिता व पाण्डुलिपि विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम।**

   उक्त प्रस्ताव डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा, संयोजक–विद्यापरिषद् द्वारा सदन के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

4. **ऑनलाईन पाठ्यक्रम नियमावली –**

शिक्षा विभाग	–	**E-certificate course in educational research.**
कुलदीप तिवाड़ी	–	**a) Web Designing Course.** **b) DTP-Desk Top Publishing** **c) Office-Autimation**
ज्योतिष विभाग	–	1. ज्योतिष प्रवेश। 2. वास्तु प्रवेश। 3. मेडिकल एस्ट्रोलोजी डिप्लोमा।
दर्शन विभाग	–	1. ई–सर्टिफिकेट इन दर्शन।
व्याकरण विभाग	–	**1. Short Term Course in Textual Critisism.** **2. Short Term Course in ancient Indian Script Writing.** **3. Short Term Course in Sabdanushasan (astadhyayi)**
साहित्य विभाग	–	1. अल्पकालीन ई–पाठ्यक्रम वाल्मीकि रामायण का सुन्दरकाण्ड।
वेद विभाग	–	1. ऑनलाईन ग्राम पौरोहित्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।
योग विभाग	–	**1. Advance Yoga Course.**

   उक्त प्रस्ताव डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा, संयोजक–विद्यापरिषद् द्वारा सदन के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

5. **प्रवेश विवरणिका मय आवेदन पत्र।**

   उक्त एजेण्डा के संबंध में डॉ. शिवाकान्त मिश्र द्वारा प्रस्ताव सदन के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

6. **छात्रावास विवरणिका मय आवेदन पत्र।**

   उक्त एजेण्डा के संबंध में डॉ. शिवाकान्त मिश्र द्वारा प्रस्ताव सदन के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

7. **कोविड 2019 में परीक्षाओं से संबंधित बिन्दु।**

   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुरुप एवं इस विश्वविद्यालय द्वारा गठित परीक्षा समिति की अनुशंषा व मा. कुलपति महोदय के अनुमोदन उपरान्त जगद्गुरु

Helpline No.:-(+91)-7597122440
जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय
मदाऊ, भांकरोटा–मुहाना लिंक रोड़, जयपुर (राज॰) - 302026
वेबसाईट : www.jrrsanskrituniversity.ac.in ई–मेल - jrrsu@yahoo.com टेलीफैक्स: 0141-2850551–75

रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों के शास्त्री प्रथम, द्वितीय वर्ष, आचार्य प्रथम वर्ष के विद्यार्थी तथा विश्वविद्यालय परिसर में संचालित संयुक्ताचार्य द्वितीय, चतुर्थ, अष्टम सेमेस्टर व योग पाठ्यक्रम बी.ए./बी.एस.सी. द्वितीय, चतुर्थ सेमेस्टर, एम. ए./एम.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर सत्र 2019–20 में प्रविष्ट विद्यार्थियों को अगली कक्षा/सेमेस्टर में तद्र्थ रुप से अस्थाई क्रमोन्नत करने बाबत् जारी आदेश के क्रम में प्रस्ताव परीक्षा नियंत्रक द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसका सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

8. **विश्वविद्यालय अनुसंधान बोर्ड की बैठक दिनांक 19.12.2019 में डॉ. दयाराम दास, सहायक आचार्य, व्याकरण विभाग, जरारासंविवि, जयपुर को शोध निर्देशक बनाये जाने की संस्तुति अनुमोदनार्थ।**
उक्त प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।

9. **विश्वविद्यालय में अतिथि शिक्षकों को नियमानुसार मानदेय पर शिक्षण कार्य हेतु बुलाने एवं भुगतान कार्यवाही समन्वयक–शैक्षणिक के स्तर पर किये जाने का प्रस्ताव विचारार्थ–**
उक्त प्रस्ताव का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

10. **PGDYT एक वर्षीय पाठ्यक्रम की अनुमति का प्रस्ताव –**
PGDYT पाठ्यक्रम को एक वर्ष का करने के प्रस्ताव का सत्र 2019–20 से लागू करने का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

बैठक कार्यवाही विवरण का प्रारूप बैठक में ऑन लाईन एवं उपस्थित सदस्यों को दिनांक 10.08.2020 को भेज कर दिनांक 13.08.2020 तक सहमति/टिप्पणी हेतु प्रेषित किया गया। दिनांक 13.08.2020 तक निम्नानुसार टिप्पणियॉ प्राप्त हुई हैः–

1. प्रो0 भास्कर शर्मा, प्रो0 दीरघराम रामस्नेही, प्रो0 बजरंग लाल शर्मा, डॉ0 इन्दिरा खत्री, डॉ0 उमेश दास एवं डॉ0 सत्यनारायण शर्मा द्वारा सीबीसीएस पाठ्यक्रम का अनुमोदन संकाय द्वारा नहीं होने एवं सीबीसीएस हेतु राज्य सरकार द्वारा अनुमति दिये जाने इत्यादि बाबत् सीबीसीएस पाठ्यक्रम एवं विद्यापरिषद बैठक के कार्यवाही विवरण के बारे में असहमति व्यक्त की है।
2. प्रो0 सत्यनारायण शर्मा द्वारा सीबीसीएस पाठ्यक्रम लागू करने से पूर्व गम्भीर विचार–विमर्श किये जाने एवं तात्कालिक निर्णय नहीं लिए जाने तथा सीबीसीएस पाठ्यक्रम लागू करने का विरोध किया है।
3. प्रो0 गणेश दत्त शर्मा, प्रो0 गोपीनाथ शर्मा, प्रो0 विश्म्भर दयाल जोशी, डॉ0 सुभाष शर्मा, डॉ0 माताप्रसाद शर्मा, डॉ0 के0 साम्ब शिव मूर्ति, डॉ0 विनोद कुमार शर्मा, डॉ0 कैलाश चन्द्र शर्मा, एवं डॉ0 शिवाकान्त मिश्र ने बैठक कार्यवाही विवरण पर सहमति व्यक्त की है।
4. डॉ0 महेश कल्याण, श्री नरेन्द्र चतुर्वेदी, डॉ0 राजधर मिश्र, डॉ0 रामेश्वर द्विवेदी एवं श्री उमेश नेपाल द्वारा बैठक कार्यवाही विवरण पर कोई टिप्पणी नहीं किये जाने से नियमानुसार सहमति मान्य है।

विद्यापरिषद के बैठक कार्यवाही विवरण को माननीय कुलपति महोदय (अध्यक्ष विद्यापरिषद) के द्वारा विद्यार्थी हित एवं शैक्षणिक उन्नयन तथा विद्या परिषद के सदस्यों की बहुमत राय के आधार पर अनुमोदित किया गया है।

शैक्षणिक सत्र 2020–21 के प्रारम्भ होने के दृष्टिगत कुलपति महोदय द्वारा कार्यपरिषद् के अध्यक्ष के शक्तियों के क्रम में अनुमोदन कर दिया गया है।

अतः बैठक कार्यवाही विवरण जारी किया जाता है।

14.8.2020

(सुरेन्द्र सिंह यादव)
आर.ए.एस.
कुलसचिव

(डॉ अनुला मौर्य)
कुलपति